Total No. of Questions - 8] [Total Pages : 3

(2062)

9840

M.A. Examination

SOCIOLOGY

(Perspectives on Indian Society)

Paper–V

(Semester–II)

(Old Syllabus)

Time : Three Hours] [Max. Marks : { Regular : 80 / Private : 100

The candidates shall limit their answers precisely within the answer-book (40 pages) issued to them and no supplementary/ continuation sheet will be issued.

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

Note: Attempt *four* questions in all, selecting *one* question from each unit. All questions carry equal marks.

नोट : प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न चुनते हुए कुल **चार** प्रश्न कीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

UNIT–I

(इकाई–I)

1. Discuss the historical Development of Indian society.

   भारतीय समाज के ऐतिहासिक विकास पर चर्चा कीजिए।

OR

(अथवा)

2. Explain dimensions of Indian social structure.

   भारतीय सामाजिक संरचना के आयामों को समझाइए।

UNIT–II

(इकाई–II)

3. Explain G.S. Ghurye's understanding of Caste System in India.

   भारत में जाति प्रणाली के जी.एस. घुरे की समझ की व्याख्या कीजिए।

OR

(अथवा)

4. How does Sanskritization help to understand dynamics in caste system?

   संस्कृतिकरण से जाति प्रणाली की गतिशीलता को समझने में कैसे सहायता मिलती है?

UNIT–III
(इकाई–III)

5. Analyse D.P. Mukherji's contribution on Indian Tradition and Modernity.

   भारतीय परंपरा और आधुनिकता के डी.पी. मुखर्जी के योगदान का विश्लेषण कीजिए।

OR
(अथवा)

6. Examine A.R. Desai's contribution to the study of Indian Nationalism.

   भारतीय राष्ट्रवाद के अध्ययन में ए.आर. देसाई के योगदान का मूल्यांकन कीजिए।

UNIT–IV
(इकाई–IV)

7. How does Indegenisation help in understanding Indian society?

   भारतीय समाज को समझने में स्वदेशीकरण से किस तरह सहायता मिलती है?

OR
(अथवा)

8. Write a note on Contextualization of Indian sociology.

   भारतीय समाजशास्त्र के प्रासंगिकीकरण पर एक नोट लिखिए।